2 जनवरी 2023

कमोडिटी मार्केट रिपोर्ट

आप सभी को एसएमसी की ओर से

नववर्ष 2023

की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं

smc

Moneywise. Be wise.

प्रमुख खबरें

- आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार वित्त वर्ष 2022/23 और वित्त वर्ष 2023/24 में भारत की वास्तविक जीडीपी क्रमशः 6.8 प्रतिशत और 6.1 प्रतिशत बढ़ने का अनुमान है।
- सितंबर तिमाही में भारत का चालू खाते का घाटा (सीएडी) बढ़कर 36.4 बिलियन डॉलर हो गया, जो अब तक का सबसे उच्च स्तर है। यह सकल घरेलू उत्पाद का 4.4% है, जो पिछली तिमाही में (संशोधित) 2.2% से और एक साल पहले की समान अवधि के 1.3% से अधिक है: आरबीआई।
- घरेलू बाजार में दालों की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए, सरकार ने दो किस्मों- अरहर और उड़द के लिए 'मुक्त-आयात' नीति रखने के अपने निर्णय को 31 मार्च, 2024 तक बढ़ा दिया है।
- सरकार ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 81.35 करोड़ लोगों को एक वर्ष के लिए 2 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने का फैसला किया है: केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।
- वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, भारत ने मौजूदा वित्तीय वर्ष में अप्रैल-अक्टूबर के दौरान 1.5 बिलियन अमरीकी डॉलर मूल्य का 46.56 लाख टन गेहूं का निर्यात किया, जबकि 2021-22 में 2.12 बिलियन अमरीकी डॉलर का निर्यात हुआ था। 2022-23 के पहले सात महीनों के दौरान बासमती चावल का निर्यात 2.54 बिलियन अमरीकी डॉलर (24.10 लाख टन) का हुआ है।
- भारत एफटीए के तहत ऑस्ट्रेलिया को 2,400 करोड़ के आभूषण का निर्यात करता है: केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।
- वैश्विक स्तर पर खदानों से तांबे का उत्पादन 2022 में 22 मिलियन टन (2021 की तुलना में 4% अधिक) तक पहुंचने की उम्मीद है। 2023 में तांबे का उत्पादन 23 मिलियन टन और फिर 2024 में 24 मिलियन टन तक बढ़ने की उम्मीद है।
- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मूल्य सीमा लागू करने वाले, जिसे 1 फरवरी, 2023 से प्रभावी होना है, देशों को रूसी कच्चे तेल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की उद्घोषणा पारित की, जिसे 1 जुलाई, 2023 से तुरंत प्रभाव से लागू कर दिया जाएगा।

NCDEX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	23.12.22	29.12.22	बदलाव (%)
स्अील	46960.00	48050.00	2.32%
ग्वारगम	12400.00	12612.00	1.71%
कॉटनऑयलसीडकेक	2882.00	2916.00	1.18%
ग्वारसीड	5905.00	5966.00	1.03%
कपास	1597.50	1613.50	1.00%

MCX में सबसे अधिक बढ़ने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	23.12.22	29.12.22	बदलाव (%)
निकल	2425.80	2580.00	6.36%
मेंथा ऑयल	973.80	1007.10	3.42%
सोना पेटल	5350.00	5433.00	1.55%
सोना एम	54104.00	54642.00	0.99%
सोना गिनी	43767.00	44148.00	0.87%

NCDEX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	23.12.22	29.12.22	बदलाव (%)
धान	4423.00	4168.00	-5.77%
कॉटन	30200.00	28480.00	-5.70%
हल्दी	8464.00	8288.00	-2.08%
मक्का	2262.00	2215.00	-2.08%
सीसेम सीड	16990.00	16670.00	-1.88%

MCX में सबसे अधिक गिरने वाली कमोडिटी

कमोडिटी	23.12.22	29.12.22	बदलाव (%)
नेचुरल गैस	430.40	375.90	-12.66%
कपास	1680.00	1620.00	-3.57%
कॉटन	29040.00	28260.00	-2.69%
कच्चा तेल	6621.00	6473.00	-2.24%
तांबा	724.90	722.40	-0.34%

साप्ताहिक समीक्षा

साल के आखिरी कारोबारी सप्ताह में कमोडिटीज का कारोबार सीमित दायरे में हुआ। वॉल्यूम कम था क्योंकि अवकाश के कारण सप्ताह में कारोबार के दिन कम थे और कोई भी अत्यधिक महत्वपूर्ण आंकड़ें लगभग नहीं थे। डॉलर इंडेक्स ने सपोर्ट हासिल करने की कोशिश की, लेकिन यह 104 के स्तर से थोड़ा नीचे बंद हुआ। ऊर्जा काउंटर में, कच्चा तेल नरमी के रूझान के साथ एक दायरे में रहा जबकि नेचुरल गैस वायदा केवल एक सप्ताह में 19% गिर गया। रूसी उप प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर नोवाक ने राज्य समाचार एजेंसी को बताया कि मास्को यमल-यूरोप पाइपलाइन के माध्यम से यूरोप को गैस की आपूर्ति फिर से शुरू करने के लिए तैयार है। मास्को कजाकिस्तान और उज्बेकिस्तान को अपनी गैस की अधिक आपूर्ति पर भी चर्चा कर रहा है। दुनिया के दूसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता चीन में ईंधन की मांग में बढ़ोतरी की उम्मीद कम होने के कारण कच्चे तेल की कीमतें गिरावट के साथ बंद हुईं। ऑयल रिफाइनरों ने परिचालन में तेजी जारी रखी, लेकिन इसमें से कुछ रिकवरी जनवरी तक बढ़ने की उम्मीद है। लेकिन, गिरावट सीमित थी क्योंकि इसे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा 1 फरवरी से पांच महीने के लिए कच्चे तेल और तेल उत्पादों के निर्यात पर पाबंदी से कुछ समर्थन मिला था, जो पश्चिमी मूल्य सीमा का पालन करने वाले देशों के लिए था। सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी के बीच सर्राफा काउंटर की चमक बरकरार रही। 2023 में मंदी की आशंकाओं के कारण सुरक्षित निवेश के लिए मांग में बढ़ोतरी होने से सोने की कीमतों में वृद्धि हुई । इस सप्ताह कमजोर डॉलर के मुकाबले बुलियन की कीमतों में तेजी आई, जो आंशिक रूप से बैंक ऑफ जापान के अपेक्षा से कम लचीले रुख से प्रभावित था। बेस मेटल की कीमतों में तेजी दर्ज की गई लेकिन कीमतें उच्च स्तर पर नहीं रह सकी। औद्योगिक धातुओं में, तांबे की कीमतें चीन में व्यवसायों के फिर से खुलने के अधिक संकेतों पर बढ़ीं, यहां तक कि देश कोविड-19 मामलों में भारी वृद्धि से जूझ रहा है।

कृषि कमोडिटीज में, मसालों में केवल हल्दी थी जिसकी पिछले सप्ताह चमक फीकी पड़ गई, जबकि जीरा और धनिया की कीमतों में बढ़ोतरी हुई । फिर भी हल्दी की कीमतों में गिरावट सीमित रही, क्योंकि ऑफ-सीजन की आवक के कारण आपूर्ति कम हो रही है, जबकि कम रकबे के कारण आगामी सीजन के लिए उत्पादन संभावना भी कम हो रही है। वर्ष 2022 में निर्यात मांग अच्छी रही है क्योंकि भारत ने जनवरी 22-अक्टूबर 22 के दौरान लगभग 99 हजार टन हल्दी का निर्यात किया था जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में यह 89 हजार टन निर्यात किया था। प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर आपूर्ति में कमी के कारण जीरे की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर बनी हुई हैं। कमजोर उत्पादन अनुमान से भी कीमतों में मजबूती को मदद मिल रही है। वर्ष 2022 में 26 दिसंबर तक गुजरात में धनिया के तहत बुआई क्षेत्र में तेजी से उछाल आया, जो पिछले वर्ष के 1.23 लाख हेक्टेयर की तुलना में 2.20 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया, जो कि वर्ष-दर-वर्ष 78% अधिक है। कमजोर मांग की संभावना और कम निर्यात मांग के कारण अरंडी की कीमतों में गिरावट हुई है। जनवरी के बाद अरंडी की नई फसल शुरू होने के मद्देनजर मिलें थोक खरीद से परहेज कर रहे हैं।

हाजिर कीमतें

कमोडिटी	स्थान	23.12.22	29.12.22	(%)
जौ	जयपुर	3012.50	3034.30	0.72%
चना	दिल्ली	5137.15	5059.65	-1.51%
धनिया	कोटा	8542.00	8525.20	-0.20%
क्रूड पॉम ऑयल	कांडला	846.45	869.80	2.76%
गुड़	मुजफ्फरपुर	1162.00	1170.00	0.69%
ग्वारसीड	जोधपुर	5836.00	5991.00	2.66%
ग्वारगम	जोधपुर	12302.00	12731.00	3.49%
जीरा	ऊंझा	29055.90	29546.30	1.69%
सरसों	जयपुर	6718.90	6721.75	0.04%
रिफाइंड सोया तेल	मुंबई	1292.50	1307.50	1.16%
सोयाबीन	इंदौर	5645.65	5700.65	0.97%
हल्दी	निजामाबाद	7459.15	7426.85	-0.43%
गेहूं	दिल्ली	2927.50	2903.95	-0.80%
कॉटन	कड़ी	29839.85	28205.85	-5.48%
कॉटनऑयलसीडकेक	अकोला	2997.80	2976.55	-0.71%

LME/ COMEX/ NYMEX में धातुओं की कीमत (डॉलर में)

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	23.12.22	29.12.22	बदलाव(%)
एल्युमीनियम	LME	नकद	2389.50	2405.00	0.65%
तांबा	LME	नकद	8349.50	8418.00	0.82%
लेड	LME	नकद	2273.50	2272.50	-0.04%
निकल	LME	नकद	29547.00	30259.00	2.41%
जिंक	LME	नकद	2965.00	2984.50	0.66%
सोना	COMEX	जनवरी	1788.50	1826.00	2.10%
चांदी	COMEX	जनवरी	23.49	24.16	2.85%
लाइट क्रूड	NYMEX	फरवरी	77.49	78.40	1.17%
नेचुरल गैस	NYMEX	जनवरी	5.00	4.56	-8.80%

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमोडिटी की कीमतें

कमोडिटी	एक्सचेंज	कॉन्ट्रैक्ट	23.12.22	29.12.22	बदलाव (%)
सोयाबीन	CBOT	मार्च	14.84	15.16	2.16%
सोया तेल	CBOT	मार्च	63.77	65.62	2.90%
कॉटन	ICE	मार्च	85.21	82.64	-3.02%
सीपीओ	BMD	मार्च	3,830.00	4,090.00	6.79%

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (NCDEX)

कमोडिटी	यूनिट	22.12.22 क्वांटिटी	29.12.22 क्वांटिटी	अंतर
बाजरा	मी.टन	881	881	0
कैस्टर सीड	मी.टन	0	0	0
चना	मी.टन	17020	14064	-2956
धनिया	मी.टन	3409	3619	210
कॉटनऑयलसीडकेक	मी.टन	0	0	0
ग्वारगम	मी.टन	14376	14670	294
ग्वारसीड	मी.टन	8646	8831	185
जीरा	मी.टन	2938	2888	-50
मक्का	मी.टन	215	215	0
सोयाबीन	मी.टन	0	0	0
हल्दी	मी.टन	438	134	-304

गोदाम में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति (MCX)

कमोडिटी	यूनिट	23.12.22 क्वांटिटी	28.12.22 क्वांटिटी	अंतर
एल्युमीनियम	मी.टन	2343	3198	855
तांबा	मी.टन	2466943	2581061	114118
सोना	किग्रा	556	544	-12
सोना मिनी	किग्रा	13472	13472	0
सोना गिनी	किग्रा	90700	279700	189000
लेड	किग्रा	413	413	0
चांदी (30 किग्रा बार)	किग्रा	169706	171694	1988
चांदी एम	किग्रा	40935	176245	135310
जिंक	मी.टन	2123	40935	38811

LME में सप्ताहिक स्टॉक स्थिति(टन में)

कमोडिटी	स्टॉक की स्थिति 23.12.22	स्टॉक की स्थिति 29.12.22	अंतर
एल्युमीनियम	473000	461725	-11275.00
तांबा	31100	81400	50300.00
निकल	54444	54228	-216.00
लेड	24350	25000	650.00
जिंक	36400	36325	-75.00

ट्रेंड शीट

एक्सचेंज	कमोडिटी	कांट्रेक्ट	बंद* भाव	ट्रेंड बदलाव की तिथि	ट्रेंड	भाव के ट्रेंड में बदलाव	सपोर्ट	रेजिस्टेंस	क्लोजिंग स्टॉप लास
NCDEX	जीरा	जनवरी	30380.00	29.11.22	तेजी	24600.00	30600.00	-	30500.00
NCDEX	हल्दी	अप्रैल	8288.00	13.12.22	तेजी	7900.00	8050.00	-	8000.00
NCDEX	ग्वारसीड	जनवरी	5966.00	10.11.22	तेजी	5183.00	5630.00	-	5600.00
NCDEX	कैस्टरसीड	जनवरी	7050.00	12.12.22	मंदी	7500.00	-	7450.00	7500.00
NCDEX	**स्टील लांग**	**जनवरी**	**48050.00**	**26.12.22**	**तेजी**	**47300.00**	**47200.00**	**-**	**47000.00**
NCDEX	कॉटनऑयलसीडकेक	जनवरी	2916.00	03.10.22	तेजी	2300.00	2730.00	-	2700.00
MCX	मेंथा ऑयल	जनवरी	1018.90	14.12.22	तेजी	995.00	975.00	-	970.00
MCX	बुलडेक्स	जनवरी	15410.00	10.11.22	तेजी	14545.00	15050.00	-	15000.00
MCX	चांदी	मार्च	69767.00	10.11.22	तेजी	61911.00	67200.00	-	67000.00
MCX	सोना	फरवरी	54971.00	10.11.22	तेजी	52109.00	54100.00	-	54000.00
MCX	मेटलडेक्स	जनवरी	18669.00	23.06.22	साइडवेज	17963.00	18000.00	19200.00	-
MCX	तांबा	जनवरी	722.75	15.12.22	मंदी	702.00	-	738.50	740.00
MCX	लेड	जनवरी	188.90	15.12.22	साइडवेज	185.50	183.00	193.00	-
MCX	जिंक	जनवरी	268.75	14.12.22	मंदी	286.00	-	293.00	295.00
MCX	एल्युमिनियम	जनवरी	210.50	14.12.22	मंदी	212.00	-	218.50	220.00
MCX	कच्चा तेल	जनवरी	6473.00	14.11.22	मंदी	7250.00	-	6950.00	7000.00
MCX	नेचुरल गैस	जनवरी	375.90	19.12.22	मंदी	480.00	-	445.00	450.00

*29/12/2022 का बंद भाव

नोट: 1. कभी-कभी आप पाओगे कि स्टॉप लॉस बहुत अधिक है लेकिन यदि हम स्टॉप लॉस को एक बार बदल दें तो हमें कमोडिटी में मजबूती आती दिखेगी। उस स्थिति में स्टॉप लॉस अधिक होगा क्योंकि हम सप्ताहिक आधार पर ग्राफ को देखते है और लम्बे समय तक के रूझानों को लेते है।
2. इस सप्ताहिक ट्रेंड का मिलान रोजाना के ट्रेंड से नहीं किया जाना चाहिए, जिसे प्रतिदिन सुबह को मार्निंग रिपोर्ट के नाम से ई मेल किया जाता है।

टेक्निकल सुझाव

कच्चा तेल (जनवरी) एमसीएक्स

कच्चा तेल (जनवरी) एमसीएक्स **उच्चस्तर: 7192.00** **निचला स्तर: 5901.00**

एमसीएक्स में कच्चा तेल (जनवरी) कॉन्ट्रैक्ट 29 दिसम्बर 2022 को 6473.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 6601.86 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 51.161 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

6900.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 6200.00 रू के टारगेट के लिए 6680.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

ग्वारसीड (जनवरी) एनसीडीईएक्स

ग्वारसीड (जनवरी) एनसीडीईएक्स **उच्च स्तर: 6473.00** **निचला स्तर: 4800.00**

एनसीडीईएक्स में ग्वारसीड (जनवरी) कॉन्ट्रैक्ट 29 दिसम्बर 2022 को 5966.00 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 5076.45 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 54.901 है। दोनों ही इंडिकेटर खरीददारी का संकेत दे रहे हैं।

5810.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 6380.00 रू के टारगेट के लिए 5940.00 रू के नजदीक खरीददारी की जा सकती है।

जिंक (जनवरी) एमसीएक्स

जिंक (जनवरी) एमसीएक्स **उच्च स्तर: 294.65** **निचला स्तर: 261.25**

एमसीएक्स में जिंक (जनवरी) कॉन्ट्रैक्ट 29 दिसम्बर 2022 को 268.75 रू पर बंद हुआ। वर्तमान समय में 18 दिनों को एक्सपोनेंसियल मूविंग औसत 274.95 है। दैनिक चार्ट में कमोडिटी की रिलेटिव स्ट्रेंथ इंडेक्स की वैल्यू 43.829 है। दोनों ही इंडिकेटर बिकवाली का संकेत दे रहे हैं।

285.00 रू के स्टॉपलॉस के साथ 250.00 रू के टारगेट के लिए 275.00 रू के नजदीक बिकवाली की जा सकती है।

अगले सप्ताह में बाजार का रुख

मसाले

घरेलू मांग में कमी के कारण हल्दी की कीमतों में नरमी के रूझान के साथ साइडवेज कारोबार करने की संभावना है। तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में फसल की स्थिति में सुधार और मिलों द्वारा आवश्यकतानुसार खरीदारी से निकट भविष्य में कीमतों पर दबाव रहने की संभावना है। लेकिन आगामी सीजन के लिए कमजोर उत्पादन संभावना से गिरावट पर रोक लग सकती है। कोरोना के बढ़ते डर से बाजार में तेजी आएगी क्योंकि स्वास्थ्य देखभाल उद्योग से मांग बढ़ने की संभावना है। वर्ष 2022 में निर्यात मांग अच्छी रही है क्योंकि भारत ने जनवरी 22-अक्टूबर 22 के दौरान लगभग 99 हजार टन हल्दी का निर्यात किया था जबकि पिछले वर्ष समान अवधि में 89 हजार टन हुआ था। पूरे भारत में दिसम्बर 22 में लगभग 8.5 हजार टन हल्दी की आवक हुई है जबकि पिछले साल दिसम्बर में 18.8 हजार टन की आवक हुई थी। हल्दी वायदा (अप्रैल) की कीमतों के 8000-8600 के दायरे में कारोबार करने की उम्मीद है।

बाजारों में तेजी के रूझान पर जीरा (जनवरी)वायदा की कीमतों में तेजी बरकरार रह सकती है। प्रमुख व्यापारिक केंद्रों पर आपूर्ति की कमी और रकबे में गिरावट से आगामी सीजन में कमजोर उत्पादन अनुमान के कारण कीमतों में तेजी आई। 26 दिसंबर 22 तक गुजरात में पिछले वर्ष के 2.86 लाख हेक्टेयर की तुलना में लगभग 2.68 लाख हेक्टेयर में जीरे की बुवाई की गई, जो साल-दर-साल 6% कम है। लेकिन मुनाफावसूली जल्द ही देखने को मिल सकती है क्योंकि अधिक कीमत के कारण छोटे खरीदार थोक खरीदारी से दूर हैं। जीरा की कीमतों के 30700-31500 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

हाजिर बाजार में नए सिरे से खरीदारी के कारण धनिया (जनवरी) वायदा की कीमतों के तेजी के रूझान के साथ कारोबार करने की संभावना है। खरीदार मौजूदा स्तरों पर दिलचस्पी दिखा रहे हैं क्योंकि कीमतें पिछले 13 महीनों के सबसे निचले स्तर पर आ गई हैं। अन्य (जीरा) मसालों की कीमतों में तेजी से धनिया के लिए भी बाजार का सेंटीमेंट मजबूत रहने की संभावना है। लेकिन आगामी सीजन के लिए बेहतर उत्पादन संभावना से बढ़त पर रोक लगेगी। वर्ष 2022 में 26 दिसंबर तक गुजरात में धनिया के तहत बुआई क्षेत्र में तेजी से उछाल आया, जो पिछले वर्ष के 1.23 लाख हेक्टेयर की तुलना में 2.20 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया, जो कि वर्ष-दर-वर्ष 78% अधिक है। धनिया की कीमतों के 8000-8700 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

अन्य कमोडिटीज

बाजार में कम आपूर्ति के कारण एनसीडीईएक्स पर कपास वायदा(अप्रैल) की कीमतों में तेजी के रूझान के साथ कारोबार होने की उम्मीद है। कीमतों में हालिया गिरावट के बाद भारतीय कपास की मांग में सुधार हुआ है, जिससे कताई मिलों को अपनी गतिविधियों को बढ़ाने के लिए बढ़ावा मिला। कपास की घरेलू आपूर्ति अभी भी सामान्य से कम हो रही है क्योंकि किसान आने वाले भविष्य में बेहतर कीमत की उम्मीद में अपनी उपज जारी नहीं कर रहे हैं। तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पंजाब में कपास की आवक में भारी गिरावट हुई है। लेकिन, चीन में मंदी के बढ़ते डर और कोरोना के बढ़ते मामलों से मांग की संभावना कम रहने की संभावना है जिससे कीमतों की बढ़त पर रोक लग सकती है। कपास की कीमतों के 1580-1670 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

हाजिर बाजारों में सक्रिय मांग के कारण कॉटनसीडऑयल केक (जनवरी) वायदा की कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। पूरे भारत में केक की आपूर्ति में कमी से कीमतों की तेजी को समर्थन मिलने की संभावना है। लेकिन सप्ताह के अंत में मुनाफावसूली देखी जा सकती है क्योंकि कताई गतिविधियां बढ़ने से पूरे भारत में आपूर्ति में वृद्धि होगी। कॉटनसीडऑयल केक की कीमतों के 2700-3100 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

घरेलू बाजार में खरीददारी बढ़ने से ग्वारसीड (जनवरी) वायदा कीमतों में तेजी रहने की संभावना है। ग्वार मिलों के पास और पाइपलाइन में कम स्टॉक होने से नए सिरे से खरीदारी शुरू हो गई है। ग्वारगम की निर्यात मांग में भी सुधार हुआ है जिससे निकट भविष्य में कीमतों में वृद्धि होने की संभावना है। भारत ने वर्ष 2021 में लगभग 219.8 हजार टन ग्वारगम का निर्यात किया और वर्ष 2022 में अक्टूबर 22 तक लगभग 208 हजार टन का निर्यात किया है। चुरी और कोरमा की मांग अच्छी रही है जिससे कीमतों में अत्यधिक गिरावट पर रोक लग सकती है। अधिक कीमतों पर आपूर्ति बढ़ सकती है जो कीमतों में बढ़त को सीमित कर सकती है क्योंकि जमाखोरी के कारण वर्ष 2022-23 में अब तक कुल आवक सामान्य से कम रही है। निकट भविष्य में ग्वारसीड की कीमतें 5800-6300 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

मेंथा ऑयल (जनवरी) वायदा की कीमतों में नरमी के रूझान के साथ मिला-जुला कारोबार होने की संभावना है । क्योंकि बाजार में सीमित खरीदारी के कारण मुनाफावसूली आगे भी जारी रहने की संभावना है। चीन में आर्थिक गतिविधियों में मंदी के मद्देनजर मेन्थॉल की निर्यात मांग धीमी होने की संभावना है जिससे कीमतों पर दबाव पड़ेगा। लेकिन, वर्ष 2022 में कम उत्पादन के कारण आपूर्ति कम रही है जिससे आवक की गति भी प्रभावित हुई है। कीमतों को 1040 का रेजिस्टेंस रहने की संभावना है और निकट भविष्य में कीमतें धीरे-धीरे 990 तक नीचे जा सकती है।

सुस्त निर्यात मांग के कारण अरंडी (जनवरी) की कीमतों में नरमी के साथ कारोबार होने की संभावना है। मंदी के बढ़ते डर और चीन में कोरोना महामारी के बढ़ते मामलों से अरंडी के तेल की निर्यात मांग कम रहने की संभावना है, जिसके परिणामस्वरूप पेराई गतिविधियों में गिरावट आई है। जनवरी के बाद अरंडी की नई फसल शुरू होने के मद्देनजर मिलें थोक खरीद से बच रही हैं। हाजिर बाजार में आपूर्ति की कमी से कीमतों में बड़ी गिरावट पर रोक लगने की संभावना है। अरंडी की कीमतें 6800-7400 के दायरे में कारोबार करने की संभावना है।

सर्राफा

सर्राफा की कीमतों में पूरे साल तेजी रही। कॉमेक्स में सोने की कीमतें एक दायरे में बंद हुई जबकि चांदी की कीमतें मामूली बढ़त के साथ बंद हुई। डॉलर इंडेक्स में वृद्धि, और फेड द्वारा रिकॉर्ड ब्याज दर में बढ़ोतरी के कारण 2022 में सोने की कीमतों की तेजी पर रोक लगी गई। डॉलर इंडेक्स में वार्षिक स्तर पर 8% से अधिक की वृद्धि हुई। लेकिन, अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की गति को धीमा करने की संभावना से गैर-यील्ड वाली संपत्ति की मांग में वृद्धि होने की उम्मीद से सोने की कीमतें सितंबर में दो साल के निचले स्तर से करीब 200 डॉलर बढ़ी है। इस बीच, गुरुवार के आंकड़ों से पता चला है कि अमेरिकी साप्ताहिक बेरोजगार दावे पिछले सप्ताह अधिक हो गए, लेकिन एक सीमा में बने रहे, जिससे पता चलता है कि नौकरी बाजार कमजोर बना हुआ है। घरेलू बाजार में कहानी थोड़ी अलग थी। रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने और ज्यादातर निचले स्तर पर कारोबार करने से घरेलू सोने और चांदी में अतिरिक्त प्रीमियम के साथ कारोबार हुआ। सोना और चांदी दोनों की कीमतें 4 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ बंद हुई है। वर्तमान में, बाजार उम्मीद कर रहे हैं कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक साल की पहली छमाही में ब्याज दरों को 5.00% और 5.25% के बीच दायरे में ले जाएगा। जैसे-जैसे मंदी की आशंका बढ़ती है, निवेशकों के लिए सोना सबसे पसंदीदा रहेगा। यद्यपि गर्मियों के दौरान महंगाई अपने उच्चतम स्तर से कम हो गई है, लेकिन आशंका है कि 2023 में महंगाई अनियंत्रित हो सकती है। चीन से कई देशों में यात्रा प्रतिबंध के बीच चीन में कोविड की संख्या बढ़ने के कारण साप्ताहिक आधार पर सर्राफा काउंटर में तेजी रही। डॉलर इंडेक्स के 104 से नीचे आने से भी सर्राफा काउंटर को मजबूती मिली। इस सप्ताह, कारोबारी लंबी छुट्टियों के बाद फिर से जुड़ेंगे और कुछ अपेक्षित कमजोर आंकड़ों से सर्राफा कीमतों को अधिक समर्थन मिलने की संभावना है। सोना और चांदी की कीमतें तेजी के रूझान के साथ क्रमश: 53800-55800 और 67500-71000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

एनर्जी कॉम्प्लेक्स

मांग के अनुमान को लेकर अनिश्चितता के कारण कच्चे तेल की कीमतें नरमी के रूझान के साथ कारोबार कर सकती है क्योंकि अधिक देशों ने शीर्ष तेल आयातक राष्ट्र में फैलने वाले कोविड-19 संक्रमण वाले चीनी यात्रियों पर प्रतिबंधों पर विचार किया। ब्रिटेन इस बात की समीक्षा कर रहा है कि चीन से आने वाले लोगों पर प्रतिबंध लगाया जाए या नहीं। संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, भारत और ताइवान ने पहले ही चीन से आने वाले लोगों के लिए जांच अनिवार्य कर दिया है। इस बीच, टीसी एनर्जी कॉर्प ने कहा कि 622,000-बैरल-प्रति-दिन वाली कीस्टोन पाइपलाइन ग्रामीण कंसास में तेल रिसाव के हफ्तों बाद अब चालू हो गई है ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार अमेरिकी कच्चे तेल का भंडार पिछले सप्ताह अप्रत्याशित रूप से बढ़ है क्योंकि आयात बढ़ गया और निर्यात कम हो गया। यूक्रेन संघर्ष, मजबूत डॉलर और दुनिया के शीर्ष कच्चे आयातक चीन से कमजोर मांग के मिले-जुले कारणों से तेल की कीमतों में लगातार दूसरे वर्ष मामूली बढ़त वृद्धि दर्ज की गई है। 2021 में 50.2% बढ़ने के बाद ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतं 2022 को 5.76% की बढ़त के साथ बंद हुई है। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करने और आपूर्ति एवं ऊर्जा सुरक्षा चिंताओं के बढ़ने के बाद दूसरी तिमाही में कीमतें 139.13 डॉलर प्रति बैरल के उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो 2008 के बाद से उच्च स्तर है। कच्चे तेल की कीमतों में 6770 के रेजिस्टेंस तक बढ़ोतरी पर बिकवाली करें और 6100 पर सपोर्ट रह सकता है। नेचुरल गैस वायदा में बिकवाली का दबाव बना रह सकता है क्योंकि मांग और आपूर्ति का संतुलन मंदडियों के पक्ष में हो सकती है क्योंकि 28 दिसंबर, 2022 के बाद मौसम का मिजाज बदलना तय है। गैटगैसवेदर के अनुसार 29 दिसंबर-5 जनवरी के दौरान अमेरिका के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों पर सामान्य से अधिक तापमान रह सकता है और कुल मिलाकर, आने वाले दिनों में मांग बहुत कम होने की उम्मीद है। लेकिन निचले स्तर पर शॉर्ट कवरिंग से इनकार नहीं किया जा सकता क्योंकि यह अत्यधिक बिकवाली के दायरे में कारोबार कर रहा है। नेचुरल गैस की कीमतें 360-420 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

बेस मेटल

बेस मेटल की कीमतें एक दायरे में कारोबार कर सकती है क्योंकि शीर्ष उपभोक्ता चीन में कोविड-19 संक्रमण बढ़ने से आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ गई है जबकि कम होते भंडार और आपूर्ति में कमी से काउंटर को समर्थन मिल सकता है। चीन में कोविड-19 मामलों में उछाल और अगले महीने चंद्र नववर्ष की छुट्टी से दुनिया के औद्योगिक धातुओं के शीर्ष उपभोक्ता में धातुओं की मांग कम होने की उम्मीद है, लेकिन आपूर्ति संबंधी चिंताएं कुछ समर्थन दे सकती हैं। दूसरी तरफ, चीन के वित्त मंत्रालय ने कहा है कि चीन धीमी अर्थव्यवस्था का समर्थन करने के लिए 2023 में उचित राजकोषीय खर्च को बढ़ावा देगा। तांबे की कीमतें 695-745 के दायरे में कारोबार कर सकती है। पनामा की सरकार और फर्स्ट क्वांटम मिनरल्स के बीच करों के विवाद पर भी बाजार का ध्यान केंद्रित है। कंपनी की कोबरे पनामा खदान ने पिछले साल 331,000 टन तांबे का उत्पादन किया था। चीन के शीर्ष तांबा स्मेल्टर 2023 की पहली तिमाही में तांबे के कंसंट्रेट के लिए उपचार और शोधन शुल्क (टीसी/आरसी) के लिए सामान्य न्यूनतम मूल्य निर्धारित करने के बजाय एक मार्गदर्शन मूल्य पर सहमत हुए हैं जिससे पता चलता है कि अगले वर्ष खरीद के लिए वार्ता में अधिक लचीलापन होगा। जिंक की कीमतें 255-280 के दायरे में कारोबार कर सकती है। लेड की कीमतें 183-194 के दायरे में कारोबार कर सकती है। एलएमई अनुमोदित गोदामों में बैटरी सामग्री की आपूर्ति और घटते स्टॉक, जो 15 साल के निचले स्तर 25,000 टन के करीब है, के बारे में चिंता के कारण काउंटर को समर्थन मिल सकता है। लेड में बढ़ोतरी से तीन महीने के कॉन्ट्रैक्ट पर नकद लेड के लिए प्रीमियम काफी अधिक हो गया है। एल्युमीनियम की कीमतें 200-220 के दायरे में कारोबार कर सकती है। कुछ जापानी एल्युमीनियम खरीदार वैश्विक उत्पादकों को जनवरी-मार्च शिपमेंट के लिए बेंचमार्क मूल्य पर 86 डॉलर प्रति टन के प्रीमियम का भुगतान करने पर सहमत हुए हैं, जो मौजूदा तिमाही से 13% कम है। एनसीडीईएक्स पर स्टील लॉन्ग (जनवरी) की कीमतें 47500-50000 के दायरे में कारोबार कर सकती है।

किसान अनुकूल नीतियों से रबी फसल की बुआई में वृद्धि

इस साल मानसून की कमी और अनियमितता के बीच देश के लिए अच्छी खबर आ रही है कि उत्तर भारत में खरीफ फसलों की बुआई में कमी की भरपाई रबी की फसलों से हो रही हैं। आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के अलावा तिलहन और दलहन जैसी कमी वाली वस्तुओं के उत्पादन को बढ़ाने के लिए कई राष्ट्रीय कार्यक्रम लागू कर रही है। उच्च उपज वाली किस्मों (एचवाईवी) के गुणवत्ता वाले बीजों की समय पर आपूर्ति, नवीनतम उत्पादन प्रोद्योगिकी, ऋण, फसल बीमा, सूक्ष्म सिंचाई और कटाई के बाद की सुविधाएं आदि कुछ ऐसे कार्य हैं जिन्हें कृषि उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने के लिए सतकार निरंतर प्रयासरत है। इन सभी हस्तक्षेपों से इस वर्ष रबी फसलों के तहत उत्पादन क्षेत्र में भारी वृद्धि होनी है।

23-12-2022 तक, रबी फसलों की कुल बुआई 2021-22 में 594.62 लाख हेक्टेयर से 4.37% बढ़कर 2022-23 में 620.62 लाख हेक्टेयर हो गई है। यह 2021-22 की समान अवधि की तुलना में इस वर्ष 25.99 लाख हेक्टेयर अधिक है।

गेहूं उत्पादन

सभी फसलों के बुआई क्षेत्र में वृद्धि हुई है, लेकिन सबसे अधिक गेहूं में हुई है। सभी रबी फसलों के बुआई क्षेत्र में हुई 25.99 लाख हेक्टेयर की वृद्धि में से, गेहूं के क्षेत्र में 9.65 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई है, जो 302.61 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 312.26 लाख हेक्टेयर हो गई। यद्यपि रबी फसलों की बुवाई अभी भी प्रगति पर है, इस वर्ष 23-12-2022 तक गेहूं के तहत कुल बुआई क्षेत्र सामान्य बुआई क्षेत्र (304.47 लाख हेक्टेयर) से अधिक है जबकि पिछले वर्ष बुआई का कुल क्षेत्र (304.70 लाख हेक्टेयर) था। गेहूं के बुआई क्षेत्र में यह वृद्धि रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण दुनिया के सामने गेहूं की उपलब्धता के संकट और इस वर्ष हमारी अपनी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की पृष्ठभूमि में बहुत आश्वस्त करने वाली है। इस प्रकार, इस वर्ष रिकॉर्ड क्षेत्र और गेहूं का उत्पादन होने की उम्मीद है।

रबी बुवाई 2022-23 (लाख हेक्टेयर में)			
फसल	2021-22	2022-23	% अंतर
गेहूँ	302.61	312.26	9.65
दालें	144.64	148.54	3.91
मोटे अनाज	41.50	43.92	2.42
तिलहन	93.28	101.47	8.20
सरसों	85.35	92.67	7.32
कुल फसलें	594.62	620.62	25.99

स्रोत: कृषि मंत्रालय भारत सरकार

तिलहन उत्पादन

तिलहन उत्पादन चिंता का एक प्रमुख कारण है क्योंकि घरेलू मांग को पूरा करने के लिए देश को खाद्य तेलों के आयात पर भारी खर्च करना पड़ा है। तिलहन पर नए सिरे से ध्यान देने के कारण तिलहन के तहत बुआई क्षेत्र 2021-22 के दौरान 93.28 लाख हेक्टेयर से बढ़कर इस वर्ष 101.47 लाख हेक्टेयर हो गया। यह सामान्य बोए गए क्षेत्र 78.81 लाख हेक्टेयर की तुलना में 22.66 लाख हेक्टेयर अधिक है।

सरसों का बुआई क्षेत्र 2021-22 में 85.35 लाख हेक्टेयर था जो 2022-23 में 7.32 लाख हेक्टेयर बढ़कर 92.67 लाख हेक्टेयर हो गया। तिलहन की कुल बुआई क्षेत्र में 8.20 लाख हेक्टेयर की बढ़ोतरी में से अकेले सरसों का बुआई क्षेत्र 7.32 लाख हेक्टेयर बढ़ा है। सरसों की खेती में किसानों की नए सिरे से रुचि के लिए पिछले 2 वर्ष से विशेष सरसों मिशन का कार्यान्वयन मुख्य रूप से जिम्मेदार है। पिछले 2 वर्षों के दौरान, रेपसीड और सरसों का बुआई क्षेत्र 2019-20 में 68.56 से 17 प्रतिशत बढ़कर 2021-22 में 80.58 लाख हेक्टेयर हो गया।

दलहन उत्पादन

इन कमोडिटीज में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए दलहन उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत एनएफएसएम 'टीएमयू 370' के नाम से विशेष कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य अच्छे बीज और तकनीकी प्रक्रियाओं की कमी के कारण राज्यों के औसत से कम दालों की पैदावार वाले 370 जिलों में उत्पादकता बढ़ाना है। दलहन के तहत क्षेत्र 3.91 लाख हेक्टेयर बढ़कर 144.64 से 148.54 लाख हेक्टेयर हो गया।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 2023 को अंतर्राष्ट्रीय बाजरा वर्ष के रूप में घोषित किया है। इसे संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव से अपनाया गया था, जिसका भारत ने नेतृत्व किया और 70 से अधिक देशों ने इसका समर्थन किया। दुनिया भर में बाजरा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, सरकार 14 राज्यों के 212 जिलों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (एनएफएमएस) कार्यक्रम के एनएफएसएम-पोषक अनाज घटक के माध्यम से बाजरा उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। मोटे और पोषक अनाज की खेती के तहत आने वाले क्षेत्र में 2,42 लाख हेक्टेयर की वृद्धि देखी गई जो 2021-22 के 41,50 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 2022-23 में अब तक 43,92 लाख हेक्टेयर हो गई।

केंद्र सरकार के आत्मनिर्भर भारत पर फोकस उन फसलों पर ध्यान देने के साथ सभी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने पर जोर दिया गया है जहां तिलहन और दालों जैसे कृषि उत्पादों की मांग महंगे आयात के माध्यम से पूरी की जाती है। इससे दालों में आत्मनिर्भरता आएगी, खाद्य तेलों के आयात में कमी आएगी और गेहूं और बाजरा की वैश्विक मांग को पूरा किया जा सकेगा। देश को कृषि में आत्मनिर्भर बनाने में देश के किसान अहम भूमिका निभाएंगे।

एसएमसी रिसर्च डेस्क

आप इस रिपोर्ट को हमारी वेबसाइट पर भी देख सकते हैं- www.smctradeonline.com

Corporate Office:
11/6B, Shanti Chamber,
Pusa Road, New Delhi - 110005
Tel: +91-11-30111000
www.smcindiaonline.com

Mumbai Office:
Lotus Corporate Park, A Wing 401 / 402 , 4th Floor , Graham Firth Steel Compound, Off Western Express Highway, Jay Coach Signal, Goreagon (East) Mumbai - 400063
Tel: 91-22-67341600, Fax: 91-22-67341697

Kolkata Office:
18, Rabindra Sarani, Poddar Court, Gate No-4,
5th Floor, Kolkata-700001
Tel.: 033 6612 7000/033 4058 7000
Fax: 033 6612 7004/033 4058 7004

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड (जिसे एसएमसी कहा जाता है) का नियमन भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड द्वारा किया जाता है और इसे ब्रोकिंग व्यवसाय, डिपॉजिटरी सेवायें और संबंधित सेवायें करने का लाइसेंस प्राप्त है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड, बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड, एमएसईआई(मेट्रोपॉलिटन स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड) का रजिस्टर्ड सदस्य है और एम/एस एसएमसी कॉमट्रेड नेशनल कमोडिटी एवं डेरिवेटिव्स एक्सचेंज लिमिटेड और मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया और भारत के अन्य कमोडिटी एक्सचेंजों का रजिस्टर्ड सदस्य है। इसकी सहयोगी एमसीएक्स स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड की सदस्य हैं। एसएमसी सीडीएसएल(CDSL) और एनएसडीएल(NSDL)के साथ डिपॉजिटरी भागीदार के रूप में भी रजिस्टर्ड है । एसएमसी के अन्य एसोसिएट सेबी और भारतीय रिजर्व बैंक के साथ मर्चेंट बैंकर, पोर्टफोलियो मैनेजर के रूप में रजिस्टर्ड है। यह म्यूचुअल फंड डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में एएमएफआई(AMFI) में भी रजिस्टर्ड है ।

एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड सेबी (रिसर्च एनॉलिस्ट)रेगुलेशन 2014 के तहत रिसर्च एनॉलिस्ट के लिए रजिस्ट्रेशन संख्या INH100001849 के साथ रजिस्टर्ड संस्था है। एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड या इसके सहयोगियों को सेबी द्वारा अन्य किसी रेगुलेटरी एथॉरिटी द्वारा सिक्योरिटीज मार्केट/कमोडिटी मार्केट में कारोबार के लिए प्रतिबंधित/निलंबित नही किया गया है। रिपोर्ट में रिसर्च एनॉलिस्टों द्वारा व्यक्त की गई राय केवल सार्वजनिक रूप से प्राप्त सूचनाओं/इंटरनेट आंकड़ों/अन्य विश्वसनीय स्रोतों, जिन्हे सत्य माना जाना जाता है, पर आधारित है। एसएमसी रिपोर्ट में व्यक्त राय या सामग्री की शुद्धता को लेकर कोई आश्वासन नही देता है और निवेशकों को सलाह दी जाती है कि निवेश के लिए कोई भी निर्णय करने से पहले बाजार की परिस्थितियों/जोखिमों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन करें । रिसर्च एनॉलिस्ट, जिन्होने इस रिपोर्ट को तैयार किया है, एतद् द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि इस रिपोर्ट में विशेष कमोडिटी के संदर्भ में व्यक्त किया गया विचार/राय उनके निजी स्वतंत्र विचार/राय है।

डिसक्लेमर: यह रिसर्च रिपोर्ट अधिकृत प्राप्तकर्त्ता की व्यक्तिगत सूचना के लिए है और इसका निवेशक के किसी निवेश, विधिक एवं कर संबंधी परामर्श से संबंध नही हैं । यह केवल प्राइवेट सर्कुलेशन एवं उपयोग के लिए है। यह रिपोर्ट विश्वस्त सूचनाओं पर आधारित है लेकिन यह पूरी तरह सही और पूर्ण है, ऐसा जरूरी नही और इस पर पूरी तरह भरोसा नही किया जाना चाहिए । रिपोर्ट के कन्टेन्ट के आधार पर कोई कार्य नही किया जा सकता है । इस रिपोर्ट को एसएमसी से लिखित आज्ञा के बिना किसी भी रूप में नकल एवं किसी भी अन्य व्यक्ति को पुन: वितरण नही किया जाना चाहिए। इस सामग्री का कन्टेन्ट सामान्य है और यह न तो पूरी तरह से व्यापक है और न विस्तृत है। इस रिपोर्ट के आधार पर उठाये गये किसी कदम से होने वाली क्षति या नुकसान के लिए न तो एसएमसी और न इसका कोई संबंधी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी को उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए । यह कोई व्यक्तिगत अनुमोदन नही करता या किसी खास निवेश उदेश्य, वितीय स्थिति या किसी व्यक्तिगत ग्राहक या कॉरपोरेट या सत्ता की जरूरतों को लेकर नही चलता है । सभी निवेश जोखिमपूर्ण होते है एवं पिछला प्रदर्शन भविष्य के किसी प्रदर्शन की गारन्टी नही देता है। निवेश की वैल्यू और उससे प्राप्त आमदनी एक निश्चित समय में उपलब्ध कुछ बड़े एवं सूक्ष्म कारकों के बदलाव पर निर्भर कर सकती है। निवेश का निर्णय लेते समय किसी भी व्यक्ति को अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए ।

कृपया ध्यान रखें कि हम या हमारा कोई अधिकारी, सहायक, प्रतिनिधि, डॉयरेक्टर या कर्मचारी, जो भी इस रिपोर्ट को बनाने या भेजने में शामिल है उसकी (अ)समय-समय पर किसी भी कमोडिटीज में, जिनका इस रिपोर्ट में जिक्र किया गया है, खरीद या बिक्री, कोई भी पोजिशन हो सकती है और वह इस कमोडिटीज को खरीद या बिक्री कर सकता है या (ब) साथ ही साथ वह इन कमोडिटीज के किसी भी प्रकार के सौदों में और ब्रोकरेज या अन्य प्रकार के प्रतिकर में अथवा बाजार निर्माण में शामिल हो सकता है, (स) इस रिपोर्ट में दिए गये सुझावों और संबंधित सूचनाओं एवं विचारों के संदर्भ में इनका अपना कोई भी निहित स्वार्थ या विवाद हो सकता है । सभी विवादों का निपटारा अंतिम रूप से दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीन होगा ।